भारत सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3579
दिनांक 21 मार्च, 2025 को उत्तर के लिए

पोषण वाटिका

3579. डॉ. राजीव भारद्वाजः

क्या **महिला और बाल विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पोषण वाटिका की स्थापना के उद्देश्य क्या हैं;
(ख) पोषण वाटिका को चलाने की प्रक्रिया क्या है;
(ग) क्या पोषण वाटिका की स्थापना के लिए आयुष मंत्रालय के सहयोग से कोई संयुक्त कार्यक्रम तैयार किया गया है; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री
(श्रीमती सावित्री ठाकुर)

(क) से (घ): मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 (मिशन पोषण 2.0) के लिए योजना दिशानिर्देशों के अनुसार, पोषण वाटिकाओं की स्थापना का उद्देश्य वर्ष भर विभिन्न हरी सब्जियां, फल, मेवे, जड़ी-बूटियां/औषधीय जड़ी-बूटियां और सब्जियां उपलब्ध कराकर महत्वपूर्ण आहार विविधता की कमी को पूरा करना है। पोषण वाटिका कुपोषण को दूर करने के लिए स्वस्थ खान-पान की आदतों और आहार विविधता को बढ़ावा देने में भी मदद करती है।

इन्हें आंगनवाड़ी केन्द्रों (एडब्ल्यूसी), पंचायत क्षेत्रों, गांव की खाली जमीन या इलाके में उपलब्ध किसी भी सामुदायिक/सरकारी भूमि पर स्थापित किया जा सकता है। ये पोषण वाटिकाएं पौधों और उनकी वृद्धि प्रक्रिया के बारे में बच्चों का ज्ञान बढ़ाने हेतु एक प्रदर्शन

गतिविधि स्थल के रूप में भी कार्य करती हैं। पोषण वाटिका चलाने की प्रक्रिया को राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों पर छोड़ दिया गया है ताकि वे स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप प्रबंधन और प्रदायगी के लिए दिशानिर्देश तैयार कर सकें।

इस मिशन के अंतर्गत, जिला कलेक्टर की अध्यक्षता वाली जिला पोषण समिति को स्थानीय वन, कृषि, बागवानी, पंचायती राज संस्थाओं, ग्रामीण विकास और आयुष विभाग के साथ मिलकर पोषण वाटिकाओं के सतत विकास की देखरेख करने का दायित्व सौंपा गया है।

पोषण पखवाड़ा 2021 के दौरान, आयुष मंत्रालय के सहयोग से 6 राज्यों उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, हिमाचल प्रदेश और मिजोरम के 21 जिलों में 1.10 लाख औषधीय पौधे लगाए गए।

******